दर्शन के लिए परमेश्वर की प्रावधान

God's Provision for Vision

उद्देश्य

क्या आपने कभी ऐसा महसूस किया है कि आपके पास **दर्शन (Vision)** तो है, लेकिन उसकी पूर्ति के लिए **प्रबन्ध** कम हैं?
मूसा की यात्रा को महल से लेकर प्रतिज्ञा किए गए देश तक देखकर, हम सीखते हैं कि परमेश्वर की **उपस्थिति, अधिकार**, और **लोग** — ये तीनों उसकी दृष्टि को पूरा करने के लिए आवश्यक संसाधन हैं।

यह प्रशिक्षण नेताओं को प्रेरित करता है कि वे परमेश्वर की **अलौकिक प्रबन्ध** पर भरोसा करें, और अपनी यात्रा की शुरुआत उन संसाधनों से करें जो उनके पास पहले से हैं। साथ ही, वे हर चीज़ से ऊपर परमेश्वर की उपस्थिति को प्राथमिकता दें।

सारांश

- दृष्टि और व्यवस्था के बीच संतुलन
- मूसा का उदाहरण:
    - महल बनाम प्रतिज्ञा किया गया देश
    - परमेश्वर की व्यवस्था
    - रूपांतरण और विश्वास
- सभी संसाधनों के लिए परमेश्वर पर निर्भरता

संदर्भित बाइबल वचन

- इब्रानियों 11:23-29
- निर्गमन 3:11, 13
- निर्गमन 4:1, 14
- निर्गमन 33:15

अध्ययन के लिए प्रश्न

1. आपकी सेवकाई की दृष्टि का कौन-सा क्षेत्र संसाधनों की कमी से जूझ रहा है?
   यह सत्र आपको इस चुनौती से अलग तरीके से कैसे निपटने में मदद करता है?

2. आपने किन तरीकों से "महल के संसाधनों" पर भरोसा करने का प्रलोभन महसूस किया है, बजाय परमेश्वर की व्यवस्था पर?

3. आपके हाथ में कौन-सी "लाठी" है जिसे परमेश्वर आपकी जीवन-दृष्टि को पूरा करने के लिए उपयोग कर सकता है?

4. आपके जीवन में "हरून" कौन है?
   आप कैसे प्रार्थना कर सकते हैं कि परमेश्वर आपकी सेवकाई के लिए काम करने वाले लोगों को भेजे?

अधिक अध्ययन के लिए वचन पद

- 2 कुरिन्थियों 9
- मत्ती 6:25-34